पत्र सूचना कार्यालय (रक्षा विंग),
भारत सरकार
****

'हर काम देश के नाम'

नई दिल्ली, कार्तिक 04, 1945
गुरुवार, अक्टूबर 26, 2023

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने वायु सेना कमांडरों से कहा : रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए उभरते हवाई युद्ध रुझानों का विश्लेषण करें और उनसे सीखें

उन्होंने कहा, 'वायु रक्षा प्रणालियों पर ध्यान देने की जरूरत है ; भारत के हवाई क्षेत्र की रक्षा के लिए ड्रोन एवं एयरोस्पेस"

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 26 अक्टूबर, 2023 को नई दिल्ली में दो दिवसीय वायु सेना कमांडरों के सम्मेलन का उद्घाटन किया। सत्र के दौरान, रक्षा मंत्री को वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी द्वारा भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की परिचालन तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई।

कमांडरों को अपने संबोधन में, श्री राजनाथ सिंह ने परिचालन तैयारियों को बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया और तीनों सेनाओं द्वारा संयुक्त योजना और संचालन के निष्पादन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतीय वायुसेना के कमांडरों से आग्रह किया कि वे तेजी से बदलती वैश्विक भू-राजनीतिक स्थिति की जांच करें और भारतीय संदर्भ में इसका आकलन करें।

रक्षा मंत्री ने कहा कि हवाई युद्ध के क्षेत्र में नए रुझान सामने आए हैं और रक्षा तैयारियों को मजबूत करने के लिए उनका विश्लेषण करने और उनसे सीखने की आवश्यकता है। उन्होंने भारतीय वायुसेना को वायु रक्षा प्रणालियों को मजबूत करने के लिए ड्रोन का उपयोग तथा एयरोस्पेस के क्षेत्र में प्रगति करने का परामर्श दिया। उन्होंने कहा, "वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य से नई चुनौतियां पैदा हो रही हैं। हमें उनसे निपटने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए।

श्री राजनाथ सिंह ने हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और अन्य बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में हाल ही में दी गई मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) मिशनों के दौरान भारतीय वायुसेना द्वारा निभाई गई शानदार भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने प्रयागराज में वायु सेना

दिवस परेड और एयर डिस्प्ले के सफल आयोजन के लिए भारतीय वायुसेना को बधाई दी, जिसे लोगों ने खूब सराहा। इस अवसर पर रक्षा राज्य मंत्री श्री अजय भट्ट और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान भी उपस्थित थे।

द्विवार्षिक रूप से आयोजित होने वाले इस सम्मेलन में मौजूदा भू-राजनीतिक माहौल और तकनीकी अनिवार्यताओं को देखते हुए एलएएफ के आगे के रास्ते पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन के दौरान अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रख्यात राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञों और विभिन्न क्षेत्रों की निपुण हस्तियों को आमंत्रित किया गया है।

एबीबी/एसएस